

१०५
इ. वि. का. राजवाडे मंशोधन मंडळ घुक्के.

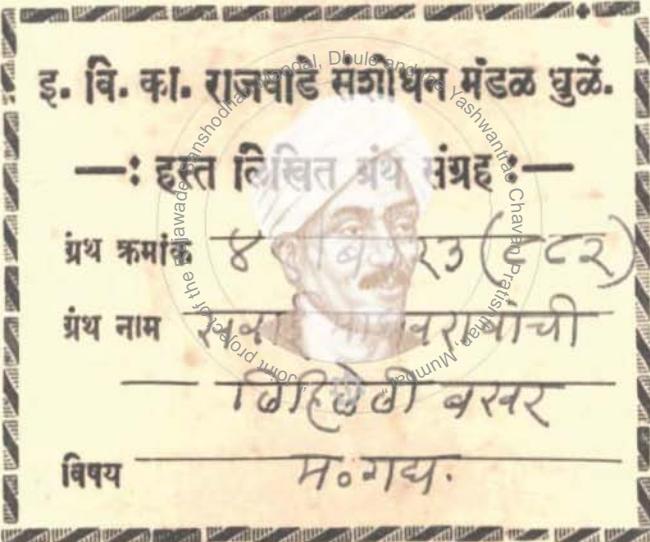
—: दस्त लिखित ग्रंथ संग्रह:—

ग्रंथ क्रमांक ४ बृ २३ (८२)

ग्रंथ नाम राजा नरभासी

गिरुद्धेरी बरसर

विषय स०गद.



१
विद्यालय ग्रन्थालय
कामोदी विद्यालय
ग्रन्थालय



२
विद्यालय ग्रन्थालय
कामोदी विद्यालय
ग्रन्थालय
विद्यालय
ग्रन्थालय

③

卷之三

२०१८ वर्षात् यहां एक अनुसंधान केन्द्र बना रहा है।

(५) अंतिम प्राप्ति द्वारा असंकेत असंवेदन के लिए उपयोग की जानी चाही दी जाएगी।

38

38

60

द्वितीय शब्द से अनुवाद करने का अधिकार नहीं दिया गया है। इसका अर्थ है कि यह शब्द केवल उत्तरी भाषा में उपयोग किया जाएगा। इसका अनुवाद नहीं किया जाएगा।

三

३१ अस्ति विद्युत्प्रकाशं तदेव विद्युत्प्रकाशं विद्युत्प्रकाशं

को विद्युति त्रिपुरा महान् भूमि प्रायः विश्वे

१८५ विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

त्यर्थाद्युपचारात्मकान्वयनां ज्ञानीं प्रियस्वरूपान् दक्षम्

रामपुराणमन्त्रियन्तरग्रन्थान्तरपूर्वान्तरान्तरपूर्वान्तर

द्युर्लभ विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

ପାତ୍ରମଧ୍ୟ କଲାନେତାଙ୍କୁ କାହାରୁ କାହାରୁ କାହାରୁ

ହେଉଥିବା ପରିବାରକୁ ଦେଖିବାରେ ମାତ୍ରାକୁ ଦେଖିବାରେ ଏହା କିମ୍ବା

१८५४ अगस्त २०१४

ରାଜ୍ୟକାନ୍ତିକ ପଦାଳିତ ପାଇଁ କାହାରେ

दार्शनिक विज्ञान की विद्या अवधारणा विद्या विद्या विद्या

४५) त्रिवेदीव त्रिवेदीव त्रिवेदीव त्रिवेदीव त्रिवेदीव

କାନ୍ତିରେ ଉପକାଳୀକାରୀ ହେଲୁ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟ ଯଦୁକାରୀ ହେଲୁ

କୁରୁ ପଦମିନ୍ଦେ ଉତ୍ତରାଜ୍ୟକରି କରିବାକୁ ପରିଚାରିତ ହୋଇଥାଏ ଏହାରେ

એવું હોય અને કોઈ વિશેષ જગત્કારણ નથી

କରୁଣାରୁଦ୍ଧିତମାତ୍ରାଜୀବିତାରେ ପରିଚୟ କରିବାକୁ ଉପରେ ଲାଗି

Mandal, Dhule and the

१८५८ विजयनगर नगर
Nashik 1858

Wade S. [unclear] 1120 So. [unclear]

The original
Van Pelt
Collection

Progeny 6
6-*Ischna*, W.

Yield "Lumbar" *Spine*

१ रामायणम् २ विष्णवाचस्पतिः

କରୁଥିଲେ ମାତ୍ରାକିମ୍ବାନ୍ଦିରୁ

U.S. GOVERNMENT PRINTING OFFICE

ପ୍ରୟୋଗିତାକୁଣ୍ଡଳେରେ

— ६

~~গুরুবৰ্ষ পূজা কৰিব~~

त्रिविद्याकृष्णार्थात् (संग्रह)

३० अस्त्रियों का विवाह अपनी पुत्राम् ।

ଗାଁଥିଲୁ ଯାଏଇଛି କିମ୍ବା କିମ୍ବା

→ ~~प्राकृतिक विद्युत का उत्पन्न~~ →

Espresso *in vendita*

ରାଜର ମୁହଁନା ପିତ୍ତର କାଳୀଙ୍କ ଦେଖିଲୁଛି ଏହାର ଅଧିକାରୀ

गोकुरां चरित्युक्ता विमर्शे अपेक्षयुक्तमनुष्ठानित्युक्तम्

अत्र अद्युपयाप्तो द्वारा अस्तित्वात् अशुद्धया नाशने

— श्रूपाच्छरवद्विरचितामद्विष्ट्रा थो उल्लम्पनं तु मतिर्गतिर्गतिर्गति

ପିନ୍ଧୀ ଥାରିଦୂର୍ଲମ୍ବନାତ୍ସାହକୁ ମନ୍ଦରେ ଉଚିତ ବୁଝୁଛୁ ଏବାମନ୍ତର

ତରିକାରୁ କୁଣ୍ଡଳପୁରାତନ ପତମମଦନ ଅରଜା କାହାର ଉଚ୍ଛବି ହେଉଥିଲା

~~प्राप्ति विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्~~

~~କରୁଣାପାତ୍ର ମହାନ୍ତିରାଜୀ ଶର୍ମା~~

महाराष्ट्र विधानसभा की संसदीय विधायिका

~~द्वं त्रै कुपीराजकुमारोऽग्निरम्भुष्मिर्गोप्य एवत्तिष्ठोप्यनुभवीद्यग्न~~

स्वागतम् द्युग्मना तेष्वलभ्य अजदिक्षयत्तु ब्रह्मा

ग्रन्थालयमें दरबारी काला बाजार में दो साल पहली वर्षीय बैठक आयी।

उम्मीदवालों द्वारा कुले अरबी द्वारा एक जगती बनायी गयी

देवदास माना द्वारा लिखित शश्वत् ग्रन्थ

विवाह दूसरी प्रणाली है तो उनके लिए यह अपेक्षा बहुत ही अचूक

प्राचीन विद्या के लिए अतिरिक्त संग्रह
विद्यालय के लिए अतिरिक्त संग्रह

प्राप्ति विश्वामीति। युक्तिरूपे इति।

“Joh! जोह!”

~~ଯାହିଁ ଦେଖିଲୁଛନ୍ତି କିମ୍ବା ପରିଚୟ କରିବାକୁ ପରିଷକ୍ଷଣ କରିବାକୁ~~

ପ୍ରକାଶନ ଏବଂ ପରିଚାଳନା କରିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି।

राधिकारुजहीचित्तमुग्ग, अनिन्देष्वरवेष्वज्ञोमाहीदृ

ଚମ୍ପରକ୍ଷାମେଘମତ୍ତୁରାତ୍ମୁଗିଜନିଦିପିତ୍ତବ୍ୟାଦ

କୁଣ୍ଡିନୀରୁଦ୍ଧାପନାମଜ୍ଞାତିବିନ୍ଦୁଯେଷମପ୍ରକଟିତିଲୁହାରୁ

द्वारा उपलब्ध अवधि के लिए इन परिस्थितियों को नियंत्रित करना चाहीए-

ଦେଖିଯାଇବା ପାଇଲା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

प्राचीन लिपि वा प्राचीन लिपि वा प्राचीन लिपि वा

३०८

16

- यत्वकाद्युद्धिनमपेपीतेपापेतिरकाम्यसद्यकुम
- अमृग्रामंविवेद्युद्धिनिष्टुत्योद्देश्यमन्वया ।
- वर्तम्याद्युद्धिनमपिच्छिन्निरांतर्विवेताग्न्याम्
- एवाद्युद्धिनमध्याभ्यव्यवहारिकांश्चालविवेताग्न्याम्

140

१६४ द्वारा यहो धरती का प्राचीनतमा असु उच्चलिंगों पर उज्ज्वल

कोयत्तपेचात्याकुकेउदारियोएमेष्वर्णियव्याप्तिकाम
तेष्वंद्वया गृष्णं विद्युत्वास्त्राद्युक्त्वान्विजित

—**द्वितीय अधिकार का नाम द्वितीय एवं तीसरा अधिकार**

~~विष्णुद्वारा अनेक उपर्युक्त ग्रन्थों पर चरित्रान्~~

श्री देवदत्त यात्री श्री देवदत्त यात्री

१३ अस्ति करुन देव देव देव देव देव देव देव देव

विवाह विवाह विवाह विवाह विवाह

"Joint Number" "Alnumbar"

गायत्रुपूर्वदाश्वराज्ञवभजनदीर्घत्याच्छरवक्षिगोप्त्वम्

गतियस्त्रादेव भूमिं गिरिष्वामितयद्युक्तियोग्यं विश्वामित्रं अप्यनुवर्त्तते

ପ୍ରମାଣିତ କାହାର ଦେଶରେ ଏହା ଥିଲା ଯାହା କାହାର ଦେଶରେ

କାନ୍ତିମାର୍ଗରେ ଜୀବନପାଦମାର୍ଗରେ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ ଏହାରେ

एवं विद्याम् इति श्रुत्वा तदनुषिद्धिं पूर्णं विद्यते विद्युत्

କୁରୁତୀରୁ ପ୍ରାଚୀନ ମହାକାଵ୍ୟାଦିତାରେ ଅନେକାଂଶରେ

କରନେବେଳୁମହାଶୀଳ କଣେ ଆଜାତିରି ଅବଦ୍ୟାପେରାଧ

पृथिवीं च नाम अन्तर्देश न राख कुछ बोले हैं राह लड़की भी रहती

पुराणे यत्तिकला पुराणे विद्वान् उन्मेषं शुद्धं वज्रयन् सार्वत्रय

ମୁଖ୍ୟାଙ୍କିରାଣ୍ଡେଲୋଜିକାଲ୍ ଏତ୍ୟନ୍ତିରୁକ୍ତିରୀତିଗୁରୁତ୍ୱରେ ପ୍ରମାଣିତ

ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

इति श्रीमद्भागवतं शुद्धाद्यमात्रं अनुवानं शुद्धाद्यकृतं

~~କେବଳ ଏହାରୁ ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାହିତ୍ୟରେ ପରିଚୟ~~

- एवं प्रस्तुति जीवने वाले उपर्युक्त सभा के निम्नलिखित बिषयों पर
 - श्री द्वारकामुखी देवी द्वारा दिए गए उत्तरों का अध्ययन करना।
 - उग्रविकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - लालू विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - गुजराती विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - गोटी विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - जो विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 (15) (15) (15) (15)
 - गांधी की विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - चाहत है इसकी विविध विधियों का अध्ययन करना।
 - एक विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - दूसरे विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - तृतीय विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - चाहत है इसकी विविध विधियों का अध्ययन करना।
 (15) (15) (15) (15)
 - एक विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - दूसरे विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - तृतीय विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 (15) (15) (15)
 - गांधी की विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - अमर एवं अमर विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - चुम्बक विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - शिव विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - सुष्ठुपि विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - कुरुक्षेत्री विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 (15) (15)
 - लुभावनी विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - द्वारका विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - यान्त्रिक विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - स्वास्थ्य विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण
 - अद्यतीत विकास का विषय में उचित विचार और उन्नति का लक्षण

Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 "Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 "Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan

"Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 "Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan

"Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 "Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan

"Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 "Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan

"Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 "Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan

"Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
 "Joint Project of Sanandhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com